रात्रिक्लासः– 6/6/68ः– बहुतों को आगे चलकर हड्डीगुड नरम होगी। वृद्धि को पाना है ज़रूर। आजकल दुःख बहुत है ना। यह है शरारती दुनियाँ। बड़े आदमियों को भी मार डालते हैं। बच्चे यह तो समझ गए हो यह पुरानी दुनियाँ है। ड्रामा के आदि, मध्य, अंत कोई भी मनुष्य नहीं जानते। नेती–2 कहते हैं ; परंतु इसका अर्थ को जानते ही नहीं। बाप समझाते हैं, यह नॉलेज अभी तुमको मिलती है। सतयुग में दरकार नहीं रहती है। ज्ञान प्रायः लोप हो जाता है। तुम जानते हो हम जो प्रदर्शनी में समझाते हैं किसको समझ में आवेगा, किसको समझ में नहीं आवेगा ; क्योंकि नई बात है ना। यह सूर्यवंशी–चन्द्रवंशी राजधानी स्थापन हो रही है। तुम समझते हो हम विश्व के मालिक बनेंगे। तुम बच्चों के लिए ही गायन है, अति इन्द्रिय सुख गोप–गापियों से पूछो ; क्योंकि तुम ही विश्व के मालिक बनते हो। जो कभी स्वप्न में भी न था कि हम बन सकते हैं। समझाना चाहिए भगवान ही विश्व का मालिक बना सकते हैं। तुम बच्चे जानते हो पापा(बाप) आया हुआ है। यह बेहद का प(ा)पा है। प(ा)पा भी है सौदागर, रत्नागर भी है। जादूगर भी है। तुम बच्चे कहते हो, जो फिर भक्ति मार्ग में भी गायन चला आता है। जादूगर है। नई दुनियाँ स्थापन कर पुरानी दुनियाँ का विनाश करा देते हैं। यह कम जादूगरी है क्या। यह है पढ़ाई। तुमको खुशी होती है, ऊँच ते ऊँच भगवान हमको पढ़ाते हैं। राजयोग सिखलाते हैं। यह सिर्फ़ तुम बच्चों की ही बुद्धि में है। कोई–2 बंधन में है। यह भी गायन है, द्रौपदी ने पुकारा। हमको नंगन करते हैं, हमको नंगन करते हैं। अभी पुकारते हैं ; क्योंकि बाप कहते हैं पावन दुनियाँ में चलना है तो पतित नहीं बनना है। अबलाओं को सहन करना पड़ेगा। बाप धैर्य देते हैं बच्चे बाकी थोड़ा समय है। तुम्हारी पढ़ाई है, गुप्त है। जितना याद करेंगे उतना ताकत मिलेगी। बाप कहते हैं मैं सर्वशक्तिवान हूँ। तो ज़रूर शक्ति किसको मिलेगी ना। तो बुद्धि में रहना चाहिए हम भी कंचन बनते हैं फिर औरों को भी बनाते हैं। बाबा हमेशा कहते हैं, निश्चय बुद्धि हो तो बाप के पास ले आना चाहिए। तुम जानते हो बाबा के पास क्या सौगात ले जावें। अच्छे–2 फूलों को कोई समय माया मुरझाए देती है, तो देह–अभिमान में आ जाते हैं।

(अच्छा), मीठे–2 बच्चों को रूहानी बाप व दादा का याद प्यार गुडनाइट। रूाहनी बच्चों को रूहानी बाप की नम(स्ते)।